

North Ex Public School
(Session 2020-2021)
Class-8
Subject- Sanskrit
TOPIC: DHATU RUPAANI
WORKSHEET – 6

Before attempting this worksheet kindly go through the following link which will help you in attempting this worksheet.

NOTE: If students are not having printer facility at home, they can copy the worksheet in a separate notebook and can write answers in that copy.

Link: <https://youtu.be/kKfLfro5uow>

NOTES:

धातु रूपाणि

धातु → संस्कृत में क्रिया का मूल रूप धातु कहलाता है। जैसे - बालकः गच्छति। (बालक जाता है।)

यहाँ 'जाता है' क्रिया को बताने के लिए 'गच्छति' पद का प्रयोग हुआ है जिसमें मूल-धातु- गम् है।

कर्ता के अनुसार धातुओं के रूप बदलते हैं इसलिए समस्त धातुओं के तीनों पुरुषों - प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा उत्तम पुरुष में तथा तीनों वचनों - एकवचन, द्विवचन, बहुवचन में अलग-अलग रूप बनते हैं। विभिन्न कालों व अवस्थाओं को 'लकार' के माध्यम से बताया जाता है।

- वर्तमान-काल के लिए लट् लकार का प्रयोग होता है।
- भूतकाल के लिए लङ् लकार का प्रयोग होता है।
- भविष्यत्-काल के लिए लृट् लकार का प्रयोग होता है।

प्रथमः पुरुषः

जब वक्ता किसी अन्य के विषय में बात कर रहा हो, वहाँ प्रथम पुरुष का प्रयोग होता है।

जैसे : → बालकः गच्छति। (बालक जाता है।)
बालकौ गच्छतः। (दो बालक जाते हैं।)

मध्यमः पुरुषः

वक्ता जिसके साथ बात कर रहा हो, उसके लिए

मध्यम पुरुष का प्रयोग होता है।
जैसे : → त्वम् खादसि। (तुम खाते हो।)
भुवाम् खादथः। (तुम दो खाते हो।)

उत्तमः पुरुषः

वक्ता जब स्वयं के लिए क्रियापद का प्रयोग करता है तो वहाँ उत्तम पुरुष का प्रयोग किया जाता है।

जैसे : → अहम् चलामि । (मैं चलता हूँ ।)

अवागम् चलावः । (हम दो चलते हैं ।)

लट् लकारस्य रूपाणि

पठ् (पढ़ना) लट् लकार

पुरुषः । वचनम् एकवचनम् द्विवचनम् बहुवचनम्

प्रथमः पुरुषः (सः) पठति (तौ) पठतः (ते) पठन्ति
(वह पढ़ता है।) (वे दो पढ़ते हैं।) (वे सब पढ़ते हैं।)

मध्यमः पुरुषः (त्वम्) पठसि (युगम्) पठथः (वृगम्) पठथ
(तुम पढ़ते हो।) (तुम दो पढ़ते हो।) (तुम सब पढ़ते हो।)

उत्तमः पुरुषः (अहम्) पठामि (अवागम्) पठावः (वयम्) पठामः
(मैं पढ़ता हूँ।) (हम दो पढ़ते हैं।) (हम सब पढ़ते हैं।)

	हस् (लट् लकार)		
पुरुषः / वचनम्	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	हसति	हसतः	हसन्ति
मध्यमः पुरुषः	हसरि	हसथः	हसथ
उत्तमः पुरुषः	हसामि	हसावः	हसामः

	गम् (लट् लकार)		
पुरुषः / वचनम्	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	गच्छति	गच्छतः	गच्छन्ति
मध्यमः पुरुषः	गच्छरि	गच्छथः	गच्छथ
उत्तमः पुरुषः	गच्छामि	गच्छावः	गच्छामः

* लिख् , धाव् , चल् धातु स्वयं अभ्यास
कीजिए ।

